

नईदुनिया



अब डूरंड कप में खेलते दिखेंगे अभिनेता टाइगर श्राफ

कोलकाता
बालीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ अब एक नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। टाइगर इसी महीने 25 जुलाई से शुरू हो रहे डूरंड कप फुटबाल में खेलते नजर आयेगे। टाइगर फिल्मों के साथ ही खेल के भी दीवाने रहे हैं और फुटबाल के प्रति उनका प्यार समय-समय पर देखा गया है। इस बार वह पेशेवर फुटबाल के रूप में नई पारी की शुरुआत करने की तैयारी में हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर डूरंड कप में मुंबई एफसी की ओर से खेल सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वह माना जा रहा है कि उनके प्रशंसक जल्द ही उन्हें मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा दिखाते हुए देखेंगे। टाइगर का फुटबाल के प्रति प्रेम किसी से छिपा नहीं है। उन्हें अभिनय के अलावा फुटबाल और बालीवुड खेलना बेहद पसंद है। वे सिर्फ शौकिया तौर पर ही नहीं, बल्कि लंबे समय से स्थानीय स्तर के क्लबों के लिए फुटबाल खेलते रहे हैं। बालीवुड के सबसे फिट अभिनेताओं में शामिल टाइगर, अक्सर सोशल मीडिया पर फुटबाल खेलते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं, जो उनके इस जुनून को

दिखाता है। उनका शारीरिक कौशल और खेल प्रेम उन्हें फुटबाल के मैदान पर भी एक मजबूत दावेदार बनाता है। गौरतलब है कि टाइगर फुटबाल में फारवर्ड पोजीशन पर खेलते हैं और उनके पास पहले से ही पेशेवर लीग में खेलने का अनुभव है। उन्होंने साल 2024 में मुंबई प्रीमियर लीग (एमपीएल) में मुंबई एफसी के लिए डेब्यू किया था, जहां वे क्लब के मार्की प्लेयर रहे। बाम्बे जिमखाना के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में टाइगर ने टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वे मुंबई प्रीमियर लीग के 2024-2025 सत्र के दौरान टीम से जुड़े रहे और इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए कुल तीन घरेलू लीग मैच खेले। एक तरफ जहां टाइगर अपनी खेल प्रतिभा से

सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं उनके वर्क फ्रंट पर भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'रैंबो', 'लग जाले' और 'हिटमैन' जैसी एक्शन ड्रामा फिल्में शामिल हैं, जिनकी रिलीज का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनकी आखिरी रिलीज 'बागी-4' थी, जो सितंबर 2025 में आई थी और बाक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। हालांकि, टाइगर ने रूढ़िवादी रीजन के साथ वार और अपनी सोलो फिल्म 'बागी-2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी दी हैं, जिन्होंने उन्हें बालीवुड के सफल एक्शन स्टार्स में से एक बनाया है। बड़े पर्दे के एक्शन से लेकर फुटबाल के हरे मैदान तक, टाइगर का यह नया कदम उनके बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता है।

न्यूज़ बीफ

फीफा विश्वकप : फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया



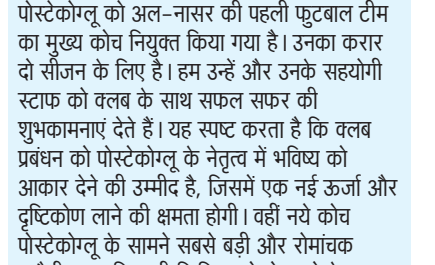
फिलाडेल्फिया। स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बापे के शानदार गोल से फ्रांस ने एक रोमांचक मुकाबले में पराग्वे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार फीफा विश्वकप फुटबाल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। एम्बापे ने अपने प्रदर्शन से एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित की है। इस मैच में पराग्वे ने भी साहसिक प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के खिलाफ जबरदस्त संघर्ष किया। जिससे फ्रांसीसी टीम के लिए गोल दगाना कठिन रहा। इस मैच में 70वें मिनट तक दोनों ही टीमों गोल नहीं कर पायी। इसी दौरान पराग्वे के डिगो गोमेज के फाउल से फ्रांस को पेनल्टी मिली। जिसपर गोल दगाने में एम्बापे ने कोई गलती नहीं की। इससे फ्रांस टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी। यह विश्वकप में एम्बापे का 19वां गोल रहा, और उन्होंने यह अहम उपलब्धि केवल 19 मैचों में ही हासिल कर ली। अब वह अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी से एक गोल ही पीछे हैं। मेसी के नाम 20 गोल हैं। ऐसे में अगले मैच में उनके पास मेसी को पीछे छोड़ने का अवसर है। एम्बापे ने अब तक 7 गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में शीर्ष पर हैं। मेसी ने भी हालांकि 7 गोल किए हैं पर एम्बापे के नाम इस विश्वकप में दो गोल करने में सहायता करने का रिकार्ड भी है। जो उन्हें इस दौड़ में आगे रखते हैं।

सऊदी वलब के अल-नासर वलब के नये कोच बने आस्ट्रेलिया के पोस्टेकोग्लू

रियाद। सऊदी अरब के शीर्ष फुटबाल क्लब अल-नासर ने पुर्तगाली कोच जार्ज जैसस की जगह आस्ट्रेलिया के एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबाल टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। क्लब ने कहा कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का करार किया गया है। यह नियुक्ति वलब के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। इससे वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति को और मजबूत करेगा। अल-नासर के आधिकारिक बयान में इस बदलाव को एक नए युग के रूप में पेश किया गया है। बयान में कहा गया, एक नए अध्याय की शुरुआत। पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबाल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका करार दो साल के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को वलब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं। यह स्पष्ट करता है कि वलब प्रबंधन को पोस्टेकोग्लू के नेतृत्व में भविष्य को आकार देने की उम्मीद है, जिसमें एक नई ऊर्जा और दृष्टिकोण लाने की क्षमता होगी। वहीं नये कोच पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी और रोमांचक चुनौती स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ मिलकर टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना होगा। रोनाल्डो, जो एक दिग्गज आइकन हैं, टीम की प्रेरणा और स्क्रॉरिंग क्षमता का केंद्र हैं। पोस्टेकोग्लू को सादियों माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे विश्व स्तरीय स्टार खिलाड़ियों को भी कोशिश देनी होगी, जो अपनी प्रतिभा और अनुभव से टीम को सशक्त करते हैं।

वैभव ने शुभचिंतकों का आभार जताया, बोले आप के संदेशों से अभिभूत हूँ

मैनचेस्टर। सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले भारतीय बल्लेबाज बनकर वैभव



यूरुवंशी बेहद खुश हैं। केवल 15 साल 99 दिन की उम्र में भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले वैभव ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी भावनाएं प्रकट की हैं। वैभव ने इस मैच में 10 गेंद पर केवल 14 रन बनाये पर इस दौरान उनकी बल्लेबाजी देखकर वह अपनी उम्र से कहीं बढ़कर परिपक्व और कुशल बल्लेबाज दिखे। इस उभरते हुए बल्लेबाज ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों का दिल जीत लिया। उनका कृतज्ञता व्यक्त की है। वैभव ने लिखा, आप सभी के संदेशों से मैं अभिभूत हूँ। मैं अपने सीनियर खिलाड़ियों और शुभचिंतकों को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे इतना प्यार और समर्थन दिया। मैं आभारी हूँ कि मुझे अपने देश के लिए प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। मैं हमेशा कोशिश करूंगा कि मैं अपनी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूँ। एक बार फिर से आप सभी का बहुत-बहुत आभार। इस संदेश से उनकी विनम्रता और देश के प्रति समर्पण साफ झलक रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए दूसरे मैच में, वैभव ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। यह उनके लिए किसी सपने से कम नहीं था, खासकर तब जब उन्होंने जोफा आर्चर जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का सामना करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगा दिया।

क्या विंबलडन में बदल रही है चैंपियनों की किस्मत स्थियातेक बाहर, दिमित्रोव-कीज ने बचाई उम्मीदें

लंदन
विंबलडन 2026 में लगातार ऐसे नतीजे सामने आ रहे हैं, जिन्होंने टेनिस प्रशंसकों को चौंका दिया है। महिला एकल में जहां मौजूदा चैंपियन इग्गा स्वियातेक का सफर तीसरे दौर में ही खत्म हो गया, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों गिगोर दिमित्रोव और मैडिसन कीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दौर में जगह बना ली। बड़े उलटफेर और रोमांचक मुकाबलों ने इस बार के विंबलडन को और दिलचस्प बना दिया है।



एलेक्जेंड्रा एला ने रचा इतिहास, स्थियातेक को किया बाहर

21 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इग्गा स्वियातेक को 7-6(9), 6-2 से हराया। पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट व्हाइट बचाने के बाद एला ने पूरे मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया।

दिमित्रोव की दमदार वापसी, पांच सेट तक चला रोमांच

पुरुष एकल में बूल्गारिया के गिगोर दिमित्रोव ने इटली के माटेओ बेरेटिनी को 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। तीन घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में दिमित्रोव ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीत लिए थे, लेकिन बेरेटिनी ने शानदार वापसी कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।

मैडिसन कीज ने दिखाई चैंपियन जैसी वापसी

महिला एकल में अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने पहला सेट गंवाने के बावजूद अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कीज की यह लगातार 10वीं ग्रास कोर्ट जीत रही और वह करियर में छठी बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची हैं। अनिसिमोवा ने पहले सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में सात डबल फाल्ट

खिताब की दौड़ हुई और रोमांचक

स्वियातेक और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना के बाहर होने से महिला वर्ग पूरी तरह खुल गया है। वहीं दिमित्रोव और कीज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार विंबलडन में अनुभव और धैर्य भी खिताब की दौड़ में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। चौथे दौर के मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अब और रोमांचक होने की उम्मीद है।

प्रज्ञानंद ने मारी बाजी; लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार



जैयेंब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैंपिड सेक्शन के शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरीज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोडन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की। अन्य खिलाड़ी भी प्रज्ञानंद और अलीरेजा के करीब पहुंच चुके हैं इस प्रतियोगिता के रैंपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिपर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसतोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से उठे हुए हैं।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली
एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभिनय के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रैग फुल्टन का मानना है कि भारत टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।



खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आना और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रो लीग की शुरुआत भारत के लिए मुश्किल रही थी - राउकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेलजियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

यूरोप चरण में बदली भारत की तस्वीर - यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। राटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फोल्ड गोल

क्या जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बड़ा टीम का आत्मविश्वास - मुख्य कोच क्रैग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, जर्स्त भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई है - फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई

खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आना और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रो लीग की शुरुआत भारत के लिए मुश्किल रही थी - राउकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेलजियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

यूरोप चरण में बदली भारत की तस्वीर - यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। राटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फोल्ड गोल

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ कमजोरी से प्रभावित हो रही तिलक की बल्लेबाजी: रिपोर्ट



मुंबई
एशिया कप में शानदार बल्लेबाजी के बाद स्टार बने युवा तिलक वर्मा पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अगर वह इंग्लैंड के खिलाफ वर्तमान सीरीज में रन नहीं बना पाये तो उनके लिए टीम में अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। तिलक अभी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं पर प्रभावित नहीं कर पाये हैं। उनकी सबसे बड़ी कमजोरी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ स्ट्राइक रेट कम होना है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए पहले टी20 मैच में तिलक ने 13 गेंदों में केवल 13 रन बनाए। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान हेरी ब्रूक ने तिलक के खिलाफ स्पिनरों को उतारकर उन्हें रनों के लिए तरसा दिया। वहीं आईपीएल में भी यह देखने को मिला था कि जब तिलक बल्लेबाजी के लिए आते थे, तो विरोधी टीमों स्पिन गेंदबाजों को ले आती थीं, जिससे रन रेट पर अचानक ब्रेक लग जाता था।

100 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। जबकि टी20 में उनका ओवरआल स्ट्राइक रेट 142.7 है, स्पिन के सामने यह घटकर 126.2 हो जाता है। स्पिन के खिलाफ तिलक के इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें नंबर-5 पर उतारना कई विशेषज्ञों के लिए हैरानी वाला रहा है। ये भी ध्यान देने योग्य है कि उनका यह स्ट्राइक रेट खास तौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए गिरा है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि तिलक वर्मा का बल्ला हर स्थिति में खामोश रहता है। उन्होंने तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है।

छठे और सातवें नंबर पर भी उन्होंने फिनिशर की भूमिका निभाई है, जहां उनका स्ट्राइक रेट 200 से भी अधिक रहा है, और उन्होंने कई मैच अपनी टीम के पाले में किए हैं। टॉप आर्डर में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने यह एक बड़ी सिरदर्द बन गई है कि तिलक को किस बल्लेबाजी क्रम पर उतारा जाए - क्या उन्हें ऊपर भेजा जाए, पांचवें नंबर पर ही रखा जाए, या फिर उनकी खराब फार्म को देखते हुए उन्हें टीम से बाहर करने पर विचार किया जाए।

स्पिन के खिलाफ तिलक की एक कमी अब टीम इंडिया के लिए एक गले की फांस बनती जा रही है। तिलक ने इंग्लैंड दौरे पर जाने से पहले

12 दिसंबर को चेन्नई में खेला जा सकता है बीबीएल का पहला मुकाबला

मुंबई
भारत में पहली बार आस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले आयोजित किए जा सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 12 दिसंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कार्सर्स के बीच बीबीएल का पहला मुकाबला खेला जा सकता है। वहीं ये भी अटकलें हैं कि भारत में इस लीग के आयोजन को लेकर क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। यदि दोनों बोर्ड के बीच सहमति बन जाती है तो तो यह भारतीय धरती पर खेला जाने वाला आस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग का पहला आधिकारिक मुकाबला होगा। यह कदम भारत और आस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते खेल और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।



गौरतलब है कि सीए इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर पिछले कई महीनों से सक्रिय रूप से काम कर रहा है। फरवरी में सीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत का दौरा किया था, जिसके बाद एक पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने चेन्नई पहुंचकर एमए चिदंबरम स्टेडियम का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने बीसीसीआई

और तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) के अधिकारियों के साथ भी बातचीत की थी। और रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों भारतीय संस्थाओं ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। यह दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट समुदाय इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों को लेकर उत्साहित है। इस ऐतिहासिक मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स को घरेलू टीम माना जाएगा, और फ्रैंचाइजी बिग बैश

लीग का पहला विदेशी लीग मुकाबला भारत में आयोजित करने के लिए अपने नियमित घरेलू मुकाबलों में से एक को छोड़ने पर सहमत हो गई है। यदि यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होता है, तो यह भारत और आस्ट्रेलिया के क्रिकेट संबंधों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही, यह भविष्य में अन्य विदेशी फ्रैंचाइजी लीग मुकाबलों के भारत में आयोजन का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

और चार पेनल्टी कार्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा। हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा - होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी। टीम के सभी विभागों का प्रदर्शन रहा संतुलित - हरमनप्रीत ने कहा कि इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह रही कि टीम के हर विभाग ने योगदान दिया। रक्षा पंक्ति ने मजबूती दिखाई, मिडफील्ड ने खेल पर नियंत्रण रखा और फारवर्ड खिलाड़ियों ने सर्कल के भीतर मौके बनाकर कई फोल्ड गोल किए।